

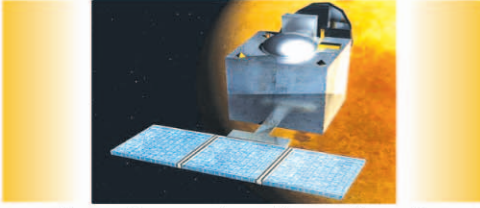
### इस अंक में...

- 7 | उपाय दृष्टि अपनाइए
- 8 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

### 19 आर्थिक घटना संग्रह

- भारत विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी वार्षिक वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूची 2014-15 में 71वें स्थान पर
- एच.एम.टी. वाचेज एवं पाँच अन्य सार्वजनिक उपक्रमों को बंद करने का निर्णय
- भारती एयरटेल ने अफ्रीका में 3500 टॉवरों के लिए ईटन टॉवर्स के साथ समझौता किया

### 24 राष्ट्रीय घटना संग्रह



- भारत ने अन्तरिक्ष यान मंगल की कक्षा में स्थापित कर रचा इतिहास
- केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पाँच शहरों में 'नो-फ़िल्म' हवाई अड्डों के निर्माण की घोषणा की
- सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकतम सजा की आधी सजा पूरी कर चुके विचाराधीन कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया

### 28 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी एबोट का दो दिवसीय भारत दौरा
- लीबिया की संसद ने अब्दुल्ला-अल-थीनी को प्रधानमंत्री के रूप में पुनर्नियुक्त किया

### 31 खेल खिलाड़ी

- 17वाँ एशियाई खेल दक्षिण कोरिया के 'इंचियोन' में शुरू
- भारत ने इंग्लैण्ड के खिलाफ पाँच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीती

### 35 अनुप्रेरक युवा प्रतिभा

### 36 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

### लेख

- 38 कैरियर लेख : भारतीय स्टेट बैंक के सहयोगी बैंकों में प्रोबेशनरी अधिकारी बनने का बेहतरीन अवसर
- 87 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 89 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-55 का परिणाम
- 90 रोजगार अवसर

### हल प्रश्न-पत्र

#### करनाल कोऑपरेटिव बैंक क्लर्क परीक्षा, 2014

- 43 तर्कशक्ति अभियोग्यता
- 47 आंकिक क्षमता
- 51 लिपिकीय अभियोग्यता
- 54 English Language
- आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क सम्मिलित लिखित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

- 56 तर्कशक्ति परीक्षा
- 60 English Language
- 63 आंकिक क्षमता
- 66 सामान्य सचेतता
- 69 कम्प्यूटर ज्ञान

#### 71 रेलवे भर्ती सैल (राँची) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2013

- आगामी बिहार एस.एस.सी. द्वारा आयोजित इण्टर तथा स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

#### 76 सामान्य अध्ययन

#### 78 डाक विभाग दिल्ली : डाक सहायक/छँटाई सहायक परीक्षा, 2014

#### 85 आगामी वायु सेना (ग्रुप Y) भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न-पत्र

→ सम्पादक : महेन्द्र जैन

→ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

→ सम्पादकीय ऑफिस

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने  
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005  
फोन- 4053333, 2531101, 2530966  
फैक्स- (0562) 4053330, 4031570  
ई-मेल: सम्पादकीय: [publisher@pdgroup.in](mailto:publisher@pdgroup.in)  
कस्टोमर केयर: [care@pdgroup.in](mailto:care@pdgroup.in)

→ दिल्ली ऑफिस

4845, अंसारी रोड, दरियागंज,  
नई दिल्ली-110 002  
फोन- 011-23251844/66

→ हैदराबाद ऑफिस

1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स  
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद-500 044  
फोन- 040-66753330  
मो- 09391487283

→ पटना ऑफिस

पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ  
पटना-800 003  
फोन-0612-2673340  
मो-09334137572

→ कोलकाता ऑफिस

28, चौधरी लेन, श्याम बाजार  
कोलकाता- 700 004  
फोन- 033-25551510  
मो- 07439359515

→ लखनऊ ऑफिस

B-33, ब्लॉक स्वचायर, कानपुर  
टैक्सो स्टेण्ड लेन, मवइया,  
लखनऊ-226 004  
फोन- 0522-4109080  
मो- 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपींग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.

# उपाय दृष्टि अपनाइए



मनुष्य का जीवन निरन्तर अपने आपको विकसित करने के लिए है। सतत् विकसित तो हो ही रहे हैं, किन्तु फिर भी कुछ लोग अपने विकास को देख पाते हैं, समझ पाते हैं, सजगतापूर्वक विकसित होते हैं। अपने स्तर के प्रत्येक कार्य के तरीकों को बदल पाते हैं और कुछ लोग बहुत बार एक ही गलती की पुनरावृत्ति करते रहते हैं जो लोग एक ही भूल को बार-बार दुहराते हैं अथवा एक ही दोष का सेवन बार-बार करते हैं अथवा एक ही तरह के कार्य के प्रति बार-बार जिनके मन के अन्दर आवेश आते हैं, इसका अर्थ यह हुआ कि वे लोग अपने मानसिक और भावनात्मक स्तर को अभी ज्यादा विकसित नहीं कर पा रहे हैं। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, किन्तु सबसे बड़ा कारण व्यक्ति का अपना प्रमाद है। व्यक्ति स्वयं ही स्वयं की बागडोर अपने हाथ में नहीं रखता। वह कहता है, जो होना है सो हो, जो समय के साथ, निमित्तों के साथ मेरे भीतर से जो आवेग निकल रहे हैं, उन्हें निकलने दो वह अपने आवेगों को शुद्ध करने का प्रयास ही नहीं करता और जब तक हम अपने आप के लिए, अपनी समस्याओं के लिए भी अगर उपाय नहीं करेंगे अपना विवेक नहीं जगाएंगे, तो वे समस्याएं तो ज्यों की त्यों बनी ही रहेंगी और जब समस्याएं बनी रहती हैं तो इंसान कहता है कि मेरे कर्म ही ऐसे हैं। मेरे पिछले जन्म के कर्म ही ऐसे हैं, जो मुझे दुःख दे रहे हैं। ये कर्मों का प्रभाव ही ऐसा है, किन्तु जरा ध्यान दीजिए कि पिछले जन्मों के बँधे हुए अथवा पूर्वकृत कितने भी कर्म शक्तिशाली क्यों न हों वर्तमान के पुरुषार्थ से हम उनकी शक्तियों को कमजोर भी कर सकते हैं। अर्थात् हम अपने वर्तमान में उपायों के द्वारा अपने पूर्वकृत कर्मों को ढीला भी कर सकते

हैं, शिथिल भी कर सकते हैं। यहाँ तक कि उनकी प्रकृति में परिवर्तन भी ला सकते हैं।

जो होता है सो होने दो,  
यह पौरुषहीन कथन है।  
जो हम चाहेंगे वो होगा,  
इन शब्दों में जीवन है।